जन्मे अवध में मेरे रघुराई | By Nikunj Prem

जन्मे अवध में मेरे रघुराई
बधाई हो बधाई
देखो आज ये शुभ घडी आई
बधाई हो बधाई

पलना में खेले रघुनन्दन
मस्तक पर सोहे है चन्दन
देख रूप मैं बलि बलि जाए
बधाई हो बधाई

मात कौशल्या नज़र उतारे
दशरथ एक टक लाल निहारे
दासी माँगत है नज़र उतराई
बधाई हो बधाई

नौमी तिथि मधुमास पुनिता
शुक्ल पक्ष अभिजित हरिप्रीता
मध्य दिवस प्रगटे चारो भाई
बधाई हो बधाई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%b5%e0%a4%a7-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%98%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%88-by-n/